भारत सरकार

संस्कृति मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1196

उत्तर देने की तारीख : 25 जुलाई, 2022

माहुली मंदिरों के समूह का विकास

1196. श्री मनोज तिवारी :
श्री सुधीर गुप्ता :
श्री सुब्रत पाठक :
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे :
श्री प्रतापराव जाधव :
श्री बिद्युत बरन महतो :
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे :
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक :

क्या **संस्कृति मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या राष्ट्रीय स्मारक संघ (एनएमए) ने माहुली मंदिरों के समूह के व्यापक विकास के संबंध में एक रिपोर्ट प्रस्तुत की है, जिन्हें 11वीं और 12वीं ईस्वी के दक्षिण काशी मंदिरों के रूप में जाना जाता है, जो वास्तुकला की हेमाडपंथी शैली में हैं और सतारा के पास स्थित हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या एनएमए ने माहुली मंदिरों के समूह के विकास में केंद्र सरकार और महाराष्ट्र राज्य सरकार दोनों के संयुक्त हस्तक्षेप की मांग की है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में राज्य सरकार की क्या प्रतिक्रिया है;

(घ) क्या एनएमए ने देश के कुछ अन्य मंदिरों के समूह का भी दौरा किया है और सरकार से उन्हें केंद्रीय संरक्षित स्मारकों की सूची में शामिल करने का अनुरोध किया है;

(ड़) यदि हां, तो तत्संबंधी स्मारक-वार और स्थान-वार ब्यौरा क्या है और इस संबंध में केंद्र सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(च) माहुली मंदिरों के समूह के व्यापक विकास हेतु सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए/उठाए जा रहें हैं?

उत्तर

(जी. किशन रेड्डी)

संस्कृति, पर्यटन एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री

(क) : जी, नहीं। माहुली मंदिरों के समूह के व्यापक स्तरीय विकास पर राष्ट्रीय संस्मारक प्राधिकरण द्वारा कोई भी रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई है।

(ख) और (ग) : जी, नहीं।

(घ) से (च) : जी, नहीं। एनएमए ने किसी भी अन्य मंदिर समूह का दौरा नहीं किया है और सरकार से इसे केन्द्र सरकार द्वारा संरक्षित स्मारकों की सूची में शामिल करने का अनुरोध नहीं किया है।